Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

बादाम के गुण

तथा

उपयोग

७३

मूल्य ।।।)

देहाती पुस्तक भण्डार,
चावड़ी बाजार, देहली ६

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

सर्वाधिकार सुरक्षित हैं।

॥ ॐ ॥

बादाम के गुण तथा उसके उपयोग

इस पुस्तक में घृत (घी) के द्वारा बहुत सी बीमारियों को दूर करने के तरीके बतलाये गये हैं।

लेखक—

श्रीहकीम मोलवी मुहम्मद अबदुल्ला साहब।

सम्पादक

रामस्नेही दीक्षित

प्रकाशक :—

देहाती पुस्तक भण्डार,

चान्दनी बाजार, देहली ६।

मूल्य ।।।)

मूल्य बारह आने

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

मिलने का पता:—

टैक्निकल बुक डिपो,

चावड़ी बाज़ार, देहली ६।

छप कर तैयार है

फटकरी के गुण	२॥)	मिरच के गुण	१॥)
बासा ,, ,,	१।)	शहद ,, ,,	२)
आक ,, ,,	२॥)	नमक ,, ,,	॥)
रीठा ,, ,,	१।)	सौंफ ,, ,,	१॥)
नीम ,, ,,	१।)	तुलसी के गुण	१)
आम ,, ,,	२)	बबूल के गुण	१=)
नीबू ,, ,,	१)		

मुद्रक:—

त्यागी फाइन आर्ट प्रेस,

कटरा खुशहालराय, देहली।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

भूमिका

बादाम वह प्रसिद्ध मेवा है जिससे सभी बाल-वृद्ध परिचित हैं। इसमें जगत पिता परमात्मा ने असंख्य गुण भर रखे हैं परन्तु हम अपनी क्षणिक बुद्धि के कारण कम लाभ उठा पाते हैं। इससे अनेकों स्वादिष्ट मिश्रण तैयार किये जाते हैं जो कि बड़ेकामके हैं। अत्यन्त संभव है कि हमारे पाठक गण, नीम, रीठा फिटकड़ी जैसी कड़वी वस्तुओं के लाभ पढ़ते पढ़ते घबड़ा गये हों अतः आज हम आप की सेवा में बादाम के गुणों को प्रस्तुत करते हैं। आशा है कि आप इस पुस्तक की उपयोगता तथा चमत्कार को देखकर आश्चर्य चकित रह जावेंगे जैसा कि प्रस्तुत पुस्तक में प्रकट किया गया है। आशा है आप लोग इस पुस्तक को अपना कर हमारे परिश्रम को सफल बनाने का प्रयत्न करेंगे।

निवेदक—

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

बादाम के गुण तथा उपयोग

बादाम का वृक्ष अधिक ऊँचा नहीं होता है अपितु यह प्रायः अनार तथा अमरूद के वृक्ष के बराबर होता है।

छाल—इसकी छाल लालिमा युक्त होती है। पत्ते लम्बे तथा डंडी से जुड़े हुए आड़ू के पत्तों की भाँति बीच से चौड़े और आगे से पतले होते हैं। कच्चे पत्तों का रंग हल्का हरा होता है परन्तु पूर्ण बड़े हो जाने पर सफेदी लिये हुए हो जाते हैं। और पत्तझड़ के मौसम में गिर जाते हैं।

फूल—इसके फूल लाल छींटेदार रंग के श्वेत पृथक् पृथक् या दो दो एक साथ लगे हुए होते हैं अन्दर से कुछ पीले रंग के होते हैं प्रत्येक फूल फैला हुआ होता है जिसमें चौड़ी चौड़ी पाँच पत्तियाँ होती हैं।

फल—बागों में लगाया जाने वाला बादाम ३ या ४ साल के पश्चात् फल देने लगता है और वर्षों तक फूलता फलता है इसका प्रसिद्धि उपनाम कागजी बादाम है तथा मोटे छिलके वाले बादाम को ठर्रा कहते हैं।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

भेद—यद्यपि बादाम के अनेक भेद होते हैं परन्तु साधारण रूप से दों ही प्रसिद्ध हैं बादाम मीठी तथा कड़ुवा अर्थात् कड़ुवा तथा मीठी प्रकृति वाला बादाम गरम और प्रथम दर्जे का तर होता है तथा कड़ुवा बादाम तृतीय दर्जे में गरम व खुश्क होता है।

नाम—उर्दू में मीठा बादाम, अंग्रेजी में सोयटा-मन्ड, अरबी में लोजुलहकू, संस्कृत में दाह्लाद कहते हैं।

नोट—कड़ुवा बादाम भी दवाओं में प्रयोग किया जाता है। परन्तु वह दोष पूर्ण होता है अतः हमने इसको विलकुल छोड़ दिया है और प्रस्तुत पुस्तक में केवल मीठे बादाम के ही गुणों की विवेचना की है पुस्तक के आरम्भ में हमारा दृढ़ विचार था कि पुस्तक के अन्दर बादाम के वृक्ष चित्र लगायेंगे परन्तु पुस्तक की शीघ्र भोग होने के कारण काश्मीर से चित्र लाने का समय न मिल सका अतः आशा करता हूँ कि सम्भवतः द्वितीय संस्करण में इस कार्य को पूरा कर सकूं।

कड़ुवा बादाम के नाम

अरबी में-लोहजुलमर, उर्दू में करमवा बादाम डाक्टरी में बटरा मण्ड आदि।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

चिन्ह—इसका वृक्ष भी मीठे बादाम की भांति होता है परन्तु इसका वृक्ष उससे छोटा तथा पत्ते भी छोटे होते हैं रंग लालिमा लिये हुये होता है फूल सफेदी लिये हुए लाल और फल मीठे बादाम की भाँति कुछ छोटा और चौड़ा होता है परन्तु स्वाद में अत्यन्त कड़वा होता है।

आवश्यक सूचना—कड़ुवा बादाम बड़ा ही दोषपूर्ण होता है इसके खाने से मनुष्य की मृत्यु हो जाया करती है पानी में भिगोने से इसमें जहर पैदा हो जाता है। अतः ऐसे बादाम से सचेत रहना चाहिए।

कुछ उदाहरण

साहब खजान उल्लाइयः का कथन है कि एक वैद्य ने कड़ुवे बादामों का प्रयोग किया जो कि तौल में आधा पाव के लगभग थे। वह इसके विष से शीघ्र ही मर गया सैय्यद अहमद साहब का कथन है कि एक मनुष्य ने जो कठिन रोग में ग्रस्त था उसने ७ माशा के बराबर कड़ुवे बादाम को खाया और वह क्षण भर में मर गया इसके अतिरिक्त कुत्ते लोमड़ी आदि मरे हुए जन्तुओं के अनेक उदाहरण हैं जिनका वर्णन करना व्यर्थ है। यथार्थ में सिद्ध हो चुका है कि कड़ुवे बादाम का प्रयोग करने से मनुष्य के जीवन का फिर भरोसा नहीं रहता है परन्तु

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

ऐसे व्यक्तियों पर कुरबान हो जाना चाहिए जिन्होंने कि बादाम के तेल को निकाल कर उसमें से हाइड्रोस्याँक एसिड को निकाल दिया है वह तेल बे रोक टोक अंग्रेजी मिठाइयों को स्वादिष्ट तथा सुगंधित बनाने के लिये प्रयोग किया जाता है। इसलिये आवश्यक है कि कड़ुवे बादाम से सदैव सावधान रहना चाहिए क्योंकि यह मीठे बादामों में प्रायः मिले हुए होते हैं अतएव उनको अलग करके औषधि बनानी चाहिए।

कड़ुवे बादाम के लाभ वर्णन न करने का कारण

यद्यापि अब आप समझ गए होंगे कि इन्ही दोषों को ध्यान में रखते हुए हमने इस प्रस्तुत पुस्तक के अन्दर केवल मीठे बादाम के गुणों का ही वर्णन किया है क्योंकि हमारे विचार में यह जन साधारण के लिये उपयोगी है। आशा करता हूँ कि इस प्रस्तुत पुस्तक "बादाम के गुण तथा उसके उपयोग" में जो दोष रह गये हों उनको क्षमा करने का कष्ट करेंगे।

कुछ आवश्यक बातें

यद्यपि हमारी यूनानी वैद्यक में चूँकि कोई सरपरस्त नहीं हैं अतः यूनानी औषधियों के बनाने में अनेक

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

मुसीबतों का सामना करना पड़ता है जिनमें सब से बड़ी कठिनाई औषधियों का शुद्ध प्राप्त न होना है। और जो शुद्ध प्राप्त हो भी जाती हैं वह भी प्रायः गन्दी होने के कारण काम में नहीं लाई जा सकती हैं।

अपितु इस आधार पर कुछेक बादाम के भी प्रयोग हैं जो कि हमारे अत्तारों के यहाँ प्रायः बिकते हैं। हमारा विचार है कि इन बिकने वाले दोष पूर्ण योगों को छोड़ कर असली (शुद्ध) मिश्रणों को बनाना शुरू करें ताकि मनुष्य शुद्ध औषधियों का सेवन करके स्वास्थ्य लाभ कर सकें और मनुष्य बाजारू बन्द रङ्ग बिरङ्गे लेबलों से सुसज्जित शीशियों में रखी हुई दवाओं को खरीदकर जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, उनसे सुरक्षित रह सकें। आशा है कि हमारी इस बात को स्मरण करके योग्य व्यक्ति इस योग को बनाकर लाभ प्राप्त करने का प्रयत्न करेंगे।

बादाम का तेल

सदैव अपना बनाया हुआ प्रयोग में लाना चाहिए या किसी विश्वसनीय औषधालय द्वारा निर्मित किया हुआ जिस पर आपको पूर्ण विश्वास हो लिया करें। प्राय:

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

बाजारों में तो सस्ते तेलों में केवल बादाम की सुगंधि डाल करके बेचा जा रहा है तथापि दिल्ली के बादाम के तेल को तैयार करने वाले तेलियों ने तो अपने हुनर में यहाँ तक सफाई कर दिखाई है कि जब कोई मनुष्य इनसे तेल निकलवाने आता है तो वह बादाम की गिरी से आधा तेल निकाल कर दे देते हैं हालाँकि तेल तिहाई का निकलता है क्योंकि यह बात मुझे एक जानकार व्यक्ति से प्राप्त हुई है जो अधिक से अधिक कोल्हू द्वारा बादाम तथा धुली तिली का ही तेल निकालने का काम करते हैं। अतः यह वह तेल है जिसको लोग निकलवा कर शुद्ध समझ कर ले जाते हैं। शेष ठगों का तो कहना ही क्या है ? वह तो मामूली सरसों के तेल को साफ़ करके उसमें बादाम के तेल की सुगन्धि देकर कृत्रिम तेल तैयार कर देते हैं जिसमें बादाम का तेल बिल्कुल नहीं होता है।

आश्चर्य तो इस बात पर है कि इस धोखे बाज़ी से दूसरे देशों के लोग भी बचे हुए नहीं हैं। वहाँ से जो कुडुवे बादाम का तेल बनकर आता है इनमें से कई तेल ऐसे होते हैं जिनमें केवल गैस द्वारा बादामों की सुगन्धि भर दी जाती है। अतः आप इन बातों को सामने रखते हुए विचार कर सकते हैं कि हम बाज़ार से बादाम

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

का तेल खरीदकर किस प्रकार स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

बादाम का शर्बत

यही स्थिति बादाम के शर्बत की भी है कि जिसमें न तो बादाम सम्मिलित होते हैं और न कोई बादाम का अंश ही बल्कि दूध या किसी अन्य वस्तु की सफेदी देकर बादाम का शर्बत बनाया जाता है। मुझे बादाम के शर्बत के सम्बन्ध में मेरे एक परम मित्र के द्वारा ज्ञात हुआ है कि एक भारतवर्ष का प्रसिद्ध कारखाना जो कि बादाम के शर्बत के नाम पर नकली शर्बत बेच रहा है, वास्तव में वह इस प्रकार से बनता है, कि एक अँग्रेजी दवा की कुछ बूदें पानी के घड़े के अन्दर डाल दी जाती हैं और शर्बत बन जाता है। तात्पर्य यह है कि आज कल धोखे बाजीका बाजार बड़ा ही गरम है। अतएव इस प्रस्तुत पुस्तक के द्वारा स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के लिए इसके शर्बत को स्वयं बनावें अन्यथा लाभ प्राप्त करने की आशा रखना असम्भव हैं।

मस्तिष्क रोग

मस्तिष्क रोगों में से बादाम कई रोगों के लिए लाभ-दायक है तथा माना हुआ अगद है। अब यहाँ उन रोगों

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

का उपचार किया जाता है कि जिन के लिए बादाम महौषधि है।

मस्तिष्क की दुर्बलता

मस्तिष्क शरीर का प्रधान अंग है अतएव इसकी दुर्बलता से असंख्य बीमारियाँ उत्पन्न हो जाती हैं यथा— शिर शूल, दृष्टि की दुर्बलता, बहरापन, कानों में से सांयं सांयं की आवाज़ें आना, आँखों के सामने यकायक अँधेरा छा जाना आदि । इन सब लक्षणों को दूर करने के लिए बादाम एक आश्चर्यजनक रसायन है। क्योंकि वह बादाम ही है जिसको सभी हकीम, वैद्य तथा डाक्टर मस्तिष्क को शक्तिशाली बनाने के लिए सर्वोत्तम मान चुके हैं परन्तु इसके खाने की विधियाँ अपनी अपनी पृथक् पृथक् हैं। तथापि हम आगामी पंक्तियों में बादाम के वह विविध मिश्रण वर्णन करते हैं, जो सर्वोत्तम और शक्तिमान प्रतीत हुए है। जो सज्जन इन को बना कर परीक्षा करें वह अवश्य ही लाभ उठायेंगे।

यह आश्चर्यजनक योग न केवल लाभदायक ही है तथापि खाने में भी अत्यन्त स्वादिष्ट हैं वरन् कुछेक तो जलपान के रूप में प्रयोग किये जाते हैं अथवा यों कहिए कि गिज़ा की गिज़ा और दवा की दवा हैं अर्थात् हर प्रकार से लाभदायक हैं।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

खमीरा बादाम

यह ख़मीरा मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करने वाला अत्यन्त स्वादिष्ट है, जिसका प्रातःकाल जलपान कर लेने से समस्त दिन चित्त प्रसन्न रहता है और थकावट प्रतीत नहीं होती है।

योग—आध पाव बादाम की गिरी लेकर गाय के पाव भर दूध में भली भाँति घोंटकर आधा सेर मिश्री मिलाकर कलईदार डेगची में डाल कर मन्द मन्द आग पर पकावें जब ख़मीरा के अनुसार क़वाम (पाक) बन जाय तो चाँदी के वरक १५ नग और छोटी इलाइची १ तोला बारीक पीसकर मिला दें और शीतल होने पर चीनी के बर्तन या डिब्बा में भरकर सुरक्षित रखें।

सेवन विधि—प्रातःकाल २ तोला से ४ तोला तक खिलाया करें।

लाभ—मस्तिष्क को शक्तिशाली बनाता है तथा स्मरण शक्ति को बढ़ाता है।

मस्तिष्क की दुर्बलता को दूर करने के लिए अद्वितीय योग

यह ख़मीरा उन मनुष्यों के लिए जिनको अंडों से परहेज न हो एक बहुमूल्य नियामत है मस्तिष्क को

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

शक्तिशाली बनाने के लिए अत्यन्त प्रभावोत्पादक मिश्रण है इसके अतिरिक्त यकृत की दुर्बलता, हृदयकी शिथिलता, तथा शरीर की दुर्बलता को दूर करता है अर्थात् दूसरे शब्दों में यों कहिए कि यह शरीर के अंग प्रत्यंगों को पौष्टिक बनाता है। इसके कुछ दिनों के सेवन करने से दुबले पतले मनुष्य भी मोटे ताजे हो जाते हैं। जिन लोगों को वीर्य्याल्यता की शिकायत हो वह मनुष्य भी इसको प्रयोग करके इस शिकायत को दूर कर सकते हैं। तात्पर्य यह है कि स्वाद, रङ्ग रूप, सुगंधि तथा लाभ में विशेष गुणकारी है। हमारा अनुभव किया हुआ है।

योग—मीठे बादाम की गिरी १० तोला को पानी में घोंटकर शीरा निकालें और उसमें सेर भर मिश्री मिला कर मंद मन्द आगपर पका कर कवाम बनालें। जब कवाम बनने पर आवे उस समय कुछ केवड़ा की बूँदें सुगंधि के के लिए डाल दें और कवाम शर्बत से गाढ़ा होने पर उतार कर किसी साफ़ कढ़ाई के अन्दर डाल कर घोंट लें। ताकि सफेद गाढ़ा सा मिश्रण बन जावे तत्पश्चात् उस में मुर्गी के पचीस उबले हुए अण्डों की ज़र्दी थोड़ी थोड़ी डालते जावें बस तैयार है अब उसे किसी चीनी

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

के अमृतवान अथवा मिट्टी के स्वच्छ बर्तन में सुरक्षित रख छोड़ें।

सेवन विधि—इस खमीरा में से प्रातःकाल २ तोला से ४ तोला तक खाकर ऊपर से दूध पी लिया करें।

लाभ—मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करने वाला, शरीर की दुर्बलता को दूर करने वाला तथा सर्वोत्तम जलपान है।

बादाम का हरीरा

योग—बादाम २० नग, खस खस १ तोला, गेहूँ का आटा २ तोला। इन सब औषधियों को पानी में घोंट कर कपड़ेसे छान लें और घी डालकर आगपर पकावें जब गाढ़ा हो जावे तो नीचे उतार कर खाँड मिलाकर पौष्टिक बनाकर प्रयोग किया करें। मस्तिष्क को ताजगी देने के लिए सर्वोत्तम पदार्थ है इसके अतिरिक्त खाँसी तथा नजला व जुकाम आदि के लिए भी अत्यन्त गुण-कारी है।

स्वादिष्ट दूध

यदि दूध को निम्न प्रकार से बनाकर पिया जावे तो सुस्वाद तथा मस्तिष्क को बलिष्ट बनाता है। यह योग

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

एक वकील साहब को प्रयोग कराया गया उन्होंने इसकी विशेष प्रशंसा की है।

योगः—बादाम की गिरी १५ नग छीलकर थोड़ा सा दूध डाल कर खूब घोटें जब बिल्कुल मक्खन की भाँति कोमल हो जावे तो उस समय आध सेर गाय का दूध मिला कर मंद मंद आग पर पकावें और दो तीन उबाल आ जाने पर उतार कर थोड़ी मिश्री मिलाकर, दो बर्तनों में खूब भली भांति धार बांध कर लोट पोट कर लें यहां तक कि झाग उठने लगे और शीतल होने पर पिया करें।

लाभः—दिमागी शक्ति को बढ़ाता है, काम करते समय दिमांग में थकावट मालूम नहीं पड़ती है और स्मरण शक्ति बढ़ जाती है।

बादाम का चूर्ण

योगः—छिलका रहित बादाम की गिरी ७ नग, सौंफ ६ माशा, मिश्री ६ माशा।

निर्माण विधिः—सौंफ और मिश्री को चूर्ण कर लें और उस में बादाम को बारीक पीस कर मिला दिया करें और रात्रि के सोते समय गरम दूध के साथ सेवन किया

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

करें परन्तु दवाखाने के बाद पानी पीना वर्जित है यथोचित मात्रा में प्रतिदिन सेवन किया करें। मस्तिष्क को विशेष शक्ति प्रदान करता है और चक्षु ज्योति इतनी तेज हो जाती है कि चश्मा लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

मस्तिष्क की खुश्की

यदि मस्तिष्क में खुश्की पैदा हो गई हो, कम सुनाई देने लगा हो, कानों में सांयं सांयं की आवाजें आती हों, मस्तिस्क में दुर्बलता हो तो इन सब रोगों के लिये बादाम का तेल एक सर्वोत्तम पदार्थ है परन्तु बादाम के तेल से हमारी मुराद यह नहीं है कि जो बाज़ारों में बिकता है बल्कि बादाम के तेल को स्वयं तैयार करना चाहिए या किसी विश्वासी औषधालय से खरीद लेना चाहिये जिस पर दृढ़ विश्वास हो यदि स्वयं बनाना हो तो इसकी विधि यह है।

बादाम का तेल

बादाम का तेल बाजारोंमें प्रत्येक स्थान पर मिलता है परन्तु वह किसी काम का नहीं होता है। बादाम के तेल को निम्नाङ्कित विधि से शीघ्र तैयार कर लेना चाहिये

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

और उसमें कड़ुवा बादाम एक भी न पड़ने देना चाहिए। शुद्ध बादाम का तेल बहुत से रोगों को दूर करने के लिए आश्चर्यजनक गुणकारी है परन्तु बाजारू तेलों ने इसकी प्रतिष्ठा घटा दी है। यही कारण है कि मनुष्य इस सुन्दर पदार्थ से बहुत कम लाभ उठाते हैं। शुद्ध बादाम का तेल अनेक रोगों के लिए लाभकारी है। हमारे इलाका के अन्दर एक वैद्य जी हैं जो कि प्रायः बादाम के तेल ही का प्रयोग करते हैं और कठिन से कठिन रोगों की चिकित्सा में सफलता प्राप्त करते हैं। हां सुनने में आया है कि बादाम का तेल निकालने की मशीन पच्चीस रुपये की आती है इसके द्वारा अति शीघ्र सरलता पूर्वक बादाम का तेल निकाला जा सकता है। हाँ यदि आप ऐसे स्थान में हैं कि जहां मशीन अप्राप्य है वहाँ निम्न विधि से बादाम का तेल निकाल लें।

बादाम की गिरियां आवश्यकतानुसार लेकर मजबूत कूंडी में डालकर खूब पीसें जबखूब बारीक होकर मक्खन की भांति कोमल हो जावे तब थोड़ी सी खांड मिलावें और थोड़ा गरम पानी का छींटा देकर रगड़ते जावें। वह मरहम सी कुछ कड़ी होने लगेगी और रगड़ते २ तेल बिल्कुल पृथक् हो जावेगा। शेष को हाथों से दबाकर निकालें। बस! बादाम का शुद्ध तेल तैयार है।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

सेवन विधिः— कमजोर दिमाग़ और खुश्की वाले को चाहिए कि प्रातःकाल बादाम के तेल की मालिश सिरपर किया करें, कानों में डाला करें तथा हुलास की भांति सूँघा करें और ३ माशा तेल दूध में मिलाकर रात्रि के समय पी लिया करें। कुछ दिनों के सेवन से दिमाग की खुश्की दूर होकर समस्त रोग दूर हो जावेंगे तथा दिमाग शुद्ध तथा शक्तिशाली हो जावेगा।

सिर शूल

प्रायः हर प्रकार के सिर शूल के लिए निम्नांकित योग लाभप्रद सिद्ध हुआ है। इसके सेवन से पुराने से पुराना शिर शूल दूर हो जाता है। आश्चर्य की बात यह है कि २ घन्टे में ही पूर्ण लाभ हो जाता है।

योग—बादाम का तेल २ माशा, केसर १ माशा, मिलाकर रखें और दिन में तीन चार बार सुंघाया करें। शीघ्र ही आराम हो जायगा।

नजला व जुकाम

बादाम मीठा ८ नग, समुलफार १ माशा, खूब अच्छी तरह खरल करके १-१ रत्ती की गोलियाँ बना लें।

सेवन विधि—एक गोली प्रातःकाल निराहार (खाली पेट) २१ दिन तक सेवन करायें।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

लाभ—पुराने से पुराना नजला व जुकाम इस दवा के सेवन से बिल्कुल ठीक हो जाता है।

आँखों से पानी निकलना

आखों से पानी निकलना बहुत बुरा रोग है। साधारण लोग इस रोग की चिकित्सा सुरमों द्वारा किया करते हैं परन्तु इसकी चिकित्सा मस्तिष्क को शक्तिशाली बनाती है क्योंकि मस्तिष्क की दुर्बलता से ही यह रोग पैदा होता है इसको बन्द करनेके लिये निम्न योग अक्सीर का काम देता है।

संन्यासी चुटकुला

यह एक संन्यासी का प्रमाणिक प्रयोग है इससे अति शीघ्र पानी आना बन्द हो जाता है।

योग—प्रातःकाल प्रतिदिन २१ गिरियाँ बादाम वैसे ही चबा लिया करें कुछ दिनों के सेवन मात्र से पानी आना बिल्कुल बन्द हो जाता है यहाँ तक कि जंमाई लेते समय भी पानी नही आता है।

दन्त तथा कर्ण रोग

यद्यपि दाँतों तथा कानों के अनेक रोग हैं परन्तु नीचे कुछेक रोग लिखे जाते हैं जिनमें केवल बादाम ही

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

औषधि स्वरूप प्रयोग किया जाता है।

दाँतों का हिलना तथा दन्त पीड़ा

यदि दांत हिलते रहते हों और उनमें पीड़ा रहती हो तो उसके दूर करने के लिये बादाम का छिलका सर्वोत्तम वस्तु है। प्रयोग इस प्रकार है।

योग—बादाम का छिलका जला हुआ १ तोला, भुनी हुई फिटकरी १तोला, इन दोनोंको बारीक पीसकर रखें आवश्यकता के समय दांतों पर मंजन की भांति रगड़ लिया करें।

दाँतों से रक्त का निकलना

रक्त वास्तव में मसूड़ों से निकला करता है, परन्तु साधारण लोगों को दाँतों पर लगा हुआ प्रतीत होता है अतएव दांतों में से रक्त आना कह देते हैं इसके लिये भी उपरोक्त प्रयोग अत्यन्त लाभप्रद है इसके प्रयोग करने से अवश्य आराम हो जाता है।

दाँतों का मैल

दाँतों पर मैल जम जाना बहुत बुरा होता है इसको दूर करके दाँतों को स्वच्छ रखने के लिये भी उपरोक्त प्रयोग बड़ा ही गुणकारी है। इसी सम्बन्ध में अब हम नीचे एक ऐसा प्रयोग लिखते हैं जो कि दाँतों के समस्त रोगों के लिये अनुभूत है।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

अद्वितीय अक्सीर मँजन

दाँतों की समस्त बीमारियों की एकमात्र चिकित्सा

वर्तमान काल में दाँतों को स्वच्छ रखने के लिए विदेशों से बहुत से मंजन तथा पाउडर तैयार होकर आते हैं जिनकी हमारे भारतवर्ष के अन्दर प्रति वर्ष लाखों रुपयों की बिक्री होती है परन्तु लोगों को अपनी इस अमूल्य संपत्ति को बाहर चले जाने का तनिक भी दुख नहीं होता है यही कारण है कि भारतवर्ष प्रति दिन निर्धन होता चला जा रहा है और विदेशी लोग प्रायः ऐसी साधारण वस्तुओं के व्यापार से ही भारतवर्ष को निर्धन बनाकर स्वयं मालामाल बनते चले जा रहे हैं।

खेद का विषय है कि क्या हमारे देश में दांतों का मंजन तक भी नहीं बनाया जाता है अथवा हमारे भारत वासियों को विलायती वस्तुओं से कुछ विशेष प्रेम हो गया है। उत्तर मिलता है कि विलायती चीजें वर्तमान फैशन के अनुसार होती हैं। चलो बात ही समाप्त हो गई अब चूं चरा की आवश्यकता ही नहीं रही। अच्छा साहब यदि नये फैशन पसन्द जेन्टलमैन विलायत परस्ती को ही फैशन समझते हैं तो हम इन से अपना ध्यान हटाकर अपने

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

पुराने विचार वाले भाइयों को संकेत करके एक अद्वितीय मंजन का योग अंकित करते हैं और उनसे निवेदन करते हैं कि इनको नित्यप्रति प्रयोग किया करें और देखें कि हमारे धेले के मंजन के आगे इनके रुपयों का मंजन किस प्रकार बेकार सिद्ध होता है। विश्वास कीजिये कि उन महाशयों को कभी न कभी किसी न किसी रोग में अवश्य ग्रस्त होना पड़ेगा। तब इसी वस्तु से स्वास्थ्य लाभ करेंगे जिसको कि आज व्यर्थ की वस्तु समझते हैं। निम्न प्रयोग से बने हुए मंजन को यदि उत्तम ढंग से पेकिंग करके बेचा जावे तो आशा है कि कोमल प्रकृति के लोग भी इससे लाभ उठाने लगें। निम्नलिखित प्रयोग को बनाकर लाभ उठायें।

मंजन

योग----बादाम के छिलके का कायला आधा सेर सेंधा नमक पावभर, काली मिर्च पावभर, इन तीनों वस्तुओं को खूब पीस कर कपड़े से छान लें और किसी शीशी या डिब्बे में भरकर सुरक्षित रख छोड़ें। इसको वे चना चाहें तो इसको सुन्दर रंग से लेबिल लगाकर पेकिंग करके बेच कर काफी लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

सेवन विधि---प्रातः तथा सांय समय उंगली द्वारा दाँतों पर खूब मला करें।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

लाभ----यह मंजन विलायती मरहमों और शुद्ध पाउडरों से कहीं हजार गुना अच्छा है इससे दाँतों की समस्त बीमारियां जैसे—दांतों का हिलना, दाँतों में पीड़ा होना, मसूढ़ों का फूलना, दाँतों से खून आना, दाँतों के मैल को दूर करके मुक्ता की भाँति चमकाने में सहायक होता है। इसके सेवन से मुंह की दुर्गन्ध दूर हो जाती है और चक्षु ज्योति तेज होती है। आमाशय अपना काम ठीक तरह से करने लगता है, भूख खुलकर लगती है। सारांश यह है कि अद्वितीय वस्तु है।

कर्ण पीड़ा

कर्ण पीड़ा के लिये यदि कान में घाव न हो तो बादाम की कुछ बूंदें गुनगुना करके कान में डालने से पूर्ण आराम हो जाता है।

छाती तथा यकृत के रोग

खाँसी

खाँसी दो प्रकार की होती है, सूखी तथा कफजनित। बादाम सूखी खांसी के लिये लाभप्रद है। यहां नीचे दो योग अंकित किये जाते हैं जो कि अत्यन्त ही जादू कैसा प्रभाव दिखाते हैं।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

बादाम का पाक

योग---छिले हुए बादाम की मींगी १ तोला, कतीरा एक तोला, खुलसोस ३ माशा, समस्त वस्तुओं को बारीक पीस कर चूर्ण बनाएँ और पाव भर मिश्री अर्क गाज़वान १५ तोला में क्वाम करके मिला लें, बस बादाम का पाक बन गया।

सेवन विधि— आवश्यकता के समय प्रातःकाल रोगी को बारबार चटाया करो।

लाभ— शुष्क खांसी के लिए अत्यन्त गुणकारी औषधि है।

शुष्क खाँसी के लिए अनुपम योग

यदि रोगी को बराबर खाँसी आती हो और खांसने पर अन्दर से कुछ न निकलता होतो निम्नांकित योग बड़ा ही प्रभावशाली सिद्ध होगा।

योग— छिले हुए बादामों की मींगी ८ दाने, उत्तम मिश्री २ तोला, गाय का मक्खन २ तोला प्रातःकाल घोंटकर चटायें और शाम के समय मलाई खिलायें बड़ा ही प्रभावशाली योग है। एक दिन हमारे औषधालय में एक बालक लाया गया जिसको सूखी खाँसी बड़ेजोरों

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

से थी यहाँ तक कि मिनट-मिनट- में खाँसी उठती है और बच्चे का साँस उखड़ गया था आँखोंसे पानी बह रहा था, चेहरा सुर्ख लाल हो रहा था और ऐसा प्रतीत होता था कि यही दशा थोड़ी देर और बनी रही तो बालक का श्वाँस घुटकर प्राण निकल जायेंगे। मैंने उसे यह प्रयोग बताया। बस दवा देने की देर थी कि खाँसी शीघ्र बन्द हो गई और पूर्ण लाभ हो गया।

थूक में खून आना

यदि मुख के द्वारा रक्त निकलता हो और वह सिल्ल रोग न हो तो इस दवा के सेवन से शीघ्र ही बन्द हो जाता है। पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिये कई दिन निरंतर तक सेवन करना चाहिए। अत्यन्त लाभदायक है।

पाण्डु रोग

इस भयानक रोग के कारण प्रथम नाखून और आँखें पीलीपड़ जाती हैं और फिर धीरे२ साराशरीर पीला पड़ जाता है। मल तथा मूत्र का रंग भी पीला हो जाता है। भोजन पचता नहीं है। यह रोग दो कारण से हुआ करता है। प्रथम तो यह कि पित्त अधिक होकर रक्त में मिलकर सम्पूर्ण शरीर का रंग पीला बना देता है द्वितीय यह है कि पित्त की नालियों में सुद्दा पड़ जाने के कारण

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

यह रोग उत्पन्न होता है। कभी कभी अधिक गर्म वस्तुओं के सेवन मात्रा से या तेज धूप में अधिक चलने फिरने से यह रोग हो जाया करता है। नीचे इसके लिए एक अनुभूत एवं परीक्षित योग प्रस्तुत किया जा रहा है जो कि अत्यन्त लाभप्रद सिद्धि हुआ है।

पाण्डु गुद्दी

यह अत्यन्त सरल और लाभप्रद योग है अनेकों बात का अनुभव किया हुआ है एक सप्ताह के सेवन से ही यथेष्ट लाभ हो जाता है।

योग----बादाम गिरी ८ नग, छोटी इलायची ५ नग छोहारा २ नग इन सब औषधियों को मिट्टी के कोरे घड़े में सम्पूर्ण रात्रि पड़ी रहने दें और प्रातः काल निकाल कर छोहारों की गुठली बादाम की गिरी व इलायची के छिलके को उतार कर कूंडी में खूब घोटें तदुपरान्त ५ तोला मिश्री मिला दें और फिर इसमें ५ तोला गाय का मक्खन मिलाकर रोगी को चटायें, बस पूर्ण लाभ हो जावेगा और तीसरे दिन पेशाब आने लगेगा।

हृदय रोग

हृदय रोगों में से कुछेक रोगों के लिए बादाम महौ-

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

षधि का काम करता है। अब यहाँ पर नीचे बादाम के शर्बत के प्रयोजन अंकित किए जाते हैं जो कि हृदय के अनेक रोगों के लिए लाभप्रद हैं।

बादाम का शर्बत

इस नाम में कितना आकर्षण है। परन्तु इसका तात्पर्य उन शर्बतों से नहीं है कि जो बाजारों में प्रत्येक स्थान पर बिकता है और डेढ़ दो आना गिलास के भाव से मिलता हैं। हम यहां पर बादाम के शर्बत बनाने की विधि लिखते हैं। इस विधि से शर्बत बनाकर लाभ उठायें।

योग—बादाम की गिरी १० तोला छोटी इलायची के दाने १ तोला, सफेद चन्दन का बुरादा एक तोला। इन सब औषधियों को १ सेर गुलाब जल में घोंटकर कपड़े से छान लें और डेढ़ सेर मिश्री में कवाम बनालें और शीतल हो जाने पर शीशियों में बन्द करके रख लें।

सेवन विधि— ५ तोला शर्बत इच्छानुसार पानी में मिलाकर दिन में दो बार पिया करें।

लाभ—हाथों, पैरों, आमाशय की जलन प्यास की बाहुल्यता, दिमाग की कमजोरी, सूखी खांसी हृदय की

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

दुर्बलता, हृदय की धड़कन आदि रोगों को अत्यन्त लाभदायक है।

बादाम का शीरा

ग्रीष्म ऋतु में बादामों को घोटकर पीना साधारण रिवाज है परन्तु अधिकांश बादाम काली मिर्च मिश्रित करके पीते हैं किन्तु इससे पूर्णलाभ प्राप्त नहीं होता है यदि यथार्थ रूप से बादाम का शीरा बनाकर पीना हो तो निम्न विधि को काम में लावें।

योग—बादाम की गिरियाँ १०, छोटी इलायची १० दाने, सौंफ दो माशा, मुनक्का ५ दाने। इन समस्त औषधियों को पानी में भली भाँति घोंटकर शीरा निकालें और केवड़ा की सुगंधि तथा मिश्री मिलाकर पिया करें। दिन में दो बार पीना पर्याप्त है। दिमाग को शक्तिशाली बनाता है और प्यास को शांति करता है तथा गर्मी को शान्ति करता है।

अन्तड़ियों तथा मशाना के रोग

कब्ज़

आज कल यह रोग सर्व साधारण है। प्रायः यह रोग अमीरों को अधिकांश हुआ करता है। यह समस्त रोगों की जननी है क्यों कि इससे अनेक रोग उत्पन्न होते हैं

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

सिर शूल बदहज़मी शरीर की एंठन, बवासीर, प्रमेह आदि रोग इसी के दोष से उत्पन्न होते हैं। यद्यपि इनके दूर करने के लिए अनेक औषधियां हैं परन्तु वह देर में लाभ पहुँचाती हैं परन्तु यह गुण बादाम के तेल में ही पाये जाता कि जिस के निरन्तर प्रयोग करने से अंतड़ियों की खुरकी दूर होकर कब्ज समूल नष्ट हो जाती है। प्रयोग नीचे लिखे जाते हैं इन को बनाकर लाभ प्राप्त करना आप लोगों का कर्तव्य है।

कब्ज़ को दूर करने का योग

योग----मीठे बादाम का शुद्ध तेल ३ माशा से शुरू करके बढ़ाते बढ़ाते ६ माशा तक ले जावें और प्रति दिन रात्रि के समय गर्म दूध में डालकर पिया करें। इसके निरंतर चिरकाल तक सेवन करने से कब्ज रोग बिलकुल दूर हो जाता है।

बादाम का महलूल (मिश्रण, घोल)

यद्यपि बादम के तेल को दूध में मिलाकर पीना या पृथक् पीना कोई कठिन कार्य नहीं है परन्तु कोई कोई अमीर प्रकृति वाले लोग बादाम के तेल का पीने से हिच कचाया करते हैं अतः उन लोगों को इस लाभ से पृथक्

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

न रखने के लिए शर्बत सा बना लेते हैं। ऐसा करने से सुगंधि भी जाती रहती है।

योग—कीकर का गोंद ३ माशा, बारीक पीसकर ढाई तोला गुलाब जल में डालकर मिश्रित करें तत्पश्चात् बादाम का तेल ६ माशा मिश्रित करके खूब उलट पलट कर दें। इस प्रकार से जो दूध की भांति श्वेत शर्बत तैयार होगा उसे दो बार में पी जायँ यदि चाहें तो आधा भी बना सकते हैं।

नोट---यह मिश्रण प्रति दिन बनाना उचित है क्योंकि कुछ घंटों के बाद यह खराब हो जाता है।

पेशाब का जलकर आना

यदि पेशाब जलकर आता हो या सुजाक हो गया हो तो इन रोगों को दूर करने के लिए बादाम अत्यन्त लाभ-दायक है।

योग—छिले हुए बादाम की गिरी ७ दाने, छोटी इलायची के ७ नग के बीज निकालकर आध सेर पानी में खूब घोट छान कर मिश्री मिलाकर दिन में तीन बार पिलाया करें इससे पेशाब की जलन तथा नया सुजाक शीघ्र दूर हो जाते हैं।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

अन्य योग

निम्नांकित योग तीन दवाइयों के मिश्रण से बना है परन्तु मेरे अनुभव से अत्यन्त लाभ प्रद सिद्ध हुआ है। पेशाब की जलन तथा सुजाक वाले रोगी को प्रथम दिन के ही सेवन से आराम मिल जाता है और रोगी को ऐसा प्रतीत होता है कि मानो यह रोग था ही नहीं।

योग—बादाम की ७गिरियां, सफेद चन्दन का बुरादा ३ माशा, सबको खूब बारीक पीसकर मिश्री मिलाकर दिन में तीन बार पिलायें। आश्चर्यजनक योग है और अनुभूत भी है।

कमर का दर्द

कमर के दर्द के लिए बादाम का तेल अत्यन्त लाभ दायक है विधि इस प्रकार हैं। रात्रि के सोते समय बादाम के तेलकी मालिश करनी चाहिए। कुछ दिनों के निरन्तर करने से दर्द दूर हो जायगा और साथ ही साथ कमर भी सीधी हो जायगी। सर्वोत्तम अक्सीर है।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

चर्म रोग

चर्म रोग अनेक प्रकार के होते हैं परन्तु जिन रोगों के लिए बादाम उपयोगी है वह नीचे लिखे जाते हैं। यदि चर्म रोगों को उपचार सहित सविस्तार वर्णन मालूम करने की इच्छा हो तो हमारी प्रसिद्ध पुस्तक देहाती अनुभूत योग संग्रह मँगाकर पढ़े।

शुष्क कण्डु (खुजली)

खुजली दो प्रकार की होती है एक तो शुष्क तथा दूसरी तर अर्थात् एक तो वह जिसके खुजलाने से कुछ नहीं निकलता है और दूसरी वह कि जिसके खुजलाने से रक्त या पीला पानी निकला करता है। शुष्क कण्डु के लिए बादाम का तेल एक अनुपम औषधि है। रात्रि के सोते समय इस तेल से किसी एकांत स्थान में रगड़ कर मालिश करनी चाहिए। इस क्रिया से दो तीन दिन मालिश करने से ही खुजली दूर होकर शरीर रेशमकी भाँति स्वच्छ निकल आयेगा।

दाद व चम्बल

दाद व चम्बल अत्यन्त कष्ट दायक रोग हैं। ऐसे रोगोंसे ईश्वर रक्षा करे। बेचारा रोगी खुजलाते खुजलाते बेचैन

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

हो जाता है इस रोग से मुक्त पाने के लिए रोगी अपने ऊपर तेजाब डाल कर आत्म हत्या कर लेते हैं इससे पीछा छुड़ाने के लिए हमने नई एक देहाती अनुभूत योग संग्रह में प्रकाशित किये हैं उन में से जो इस पुस्तक से संबन्धित है नीचे लिखा जाता है।

बादाम के छिलकों का तेल

बादाम के छिलके देखने में तो बिल्कुल खराब होते हैं परन्तु ईश्वर ने इसमें अनेक रोगों को दूर करने के अनेक गुण भर दिये हैं। मैं अपने अनुसन्धान द्वारा एक नुसखा इसका तेल बनाने का नीचे अंकित करता हूं जो कि स्वयं हमारा ही अनुभव किया हुआ है जो कि दाद व चम्बल की अक्सीर दवा है हालाँकि छिलकों को देखने से तेल का निकलना असम्भव प्रतीत होता है किन्तु जब बनाकर देखोगे तो आपकी शंका समाधान हो जावेगी क्योंकि हमने अनेकों बार इसकी परीक्षा की है। सारांश यह है कि यह सर्वोत्तम वस्तु है।

योग—बादाम के बाहरी छिलके कम से कम आधा सेर लेकर तनिक कूट कर कलईदार बर्तन में रखें और उसके बीच एक लोहे की छोटी सी सहपाई रख कर

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

ऊपर से अलमोनियम या चीनी की प्याली रखकर देगची के मुँह पर पानी भरा हुआ इतना बड़ा वर्तन रख दें जिस में न्यूनातिन्यून ५ सेर पानी आ जावे और उसके किनारों को गेहूं के गुँधे हुए आटे से बन्द कर दें ताकि अन्दर से बादम के छिलकों की भाप बाहर न निकल सके। जब भली भांति किनारे बन्द हो जायँ तो धीरे से उठा कर डेगची को चूल्हे पर रख दें और नीचे दो लकड़ियों की आग लगभग दो, ढाई घन्टे तक जलाते रहें यदि इस काल में पानी बहुत गर्म हो जावेगा तो गरम पानी को निकालकर ठण्डा पानी डाल दें फिर आग बन्द करदें जब पानी ठण्डा हो जावे तो धीरे धीरे पानी वाले वर्तन को डेगची से पृथक करके देखें कि उपरोक्त प्याली अत्यन्त सुर्ख रङ्ग के तेल से पूर्ण भरी हुई मिलेगी इसको किसी शीशी में भर कर सुरक्षित रखें।

सेवन विधि—इस तेल में से कुछ बूँदें दवाई की पुरेरी के द्वारा दाद को खुजलाकर प्रातः तथा सांय काल लगा दिया करें। इसी प्रकार चम्बल को भी चुपड़ते रहें।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

नोट—ईश्वर की कृपा से कुछ ही दिनों में पूर्ण आराम हो जायगा।

तर खुजली

पिछले पृष्ठ पर शुष्क खुजली का वर्णन किया जा चुका है अब यहाँ पर तर खुजली का वर्णन किया जाता है।

योग—बादाम के छिलकों का तेल जो कि अभी बताया जा चुका है एक भाग लेकर उसमें दो भाग मिला कर रखें और प्रति दिन धूप में बैठकर मालिश किया करें और १ घंटे के उपरान्त भूरे रंग की भैंस के ताज़ा गोबर से शरीर को मलकर गर्म पानी से नहा लिया करें। कुछ दिनों के प्रयोग से शरीर नीरोग हो जायगा।

श्वेत चिन्ह (दाग़)

शरीर पर श्वेत चिन्ह पड़ जाने से शरीर का रूप भद्दा लगने लगता है इसको दूर करने के बहुत कम प्रयोग सफल सिद्ध हुए हैं परन्तु बादाम के छिलकों के तेल में इस रग को दूर करने के गुण पाये जाते हैं। इसकी

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

सेवन विधि निम्नांकित है परन्तु चिरकाल तक सेवन करना उचित है।

सेवन विधि—बादाम के छिलकों का तेल प्रातः तथा सायंकाल कोढ़ के सफ़ेद चिन्हों पर लगाते रहें इस से चिन्ह मिट जाते हैं और शरीर में चमक आ जाती है।

बादाम के विविध प्रयोग

दुर्बल शरीर को मोटा ताजा बनाने का योग

स्वास्थ्य के बिना मनुष्य का शरीर अच्छा प्रतीत नहीं होता है और इसके बिना मनुष्य की प्रतिष्ठा कम होती है अतः स्वस्थ होना प्रत्येक मनुष्य का अनिवार्य है। अतएव जो सज्जन अपने शरीर को मोटा ताजा बनाने की इच्छा करते हैं। उनके लिए बादाम अत्यन्त लाभकारी है उन पुरुषों का उचित है कि बादाम का शर्बत, हरीरा तथा सुस्वाद दूध का प्रयोग किया करें और शरीर पर बादाम के तेल की मालिश किया करें। कुछ दिनों के सेवन से शरीर मोटा ताजा तथा फुर्तीला हो जायगा।

अन्य योग

जो पाण्डु रोग में वर्णन हो चुका है उससे भी स्वास्थ्य बनता है किन्तु इसको खाकर ऊपर से आध सेर

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

गाय का कच्चा दूध पीना अनिवार्य है। यह सर्वोत्तम योग है जो कि मुझे अपने प्रिय मित्र रघुनाथ राय साहब से प्राप्त हुआ था। औषधि सेवन काल में भी बादाम के तेल की शरीर पर मालिश करते रहना उचित है। विशेष गुणकारी है।

बाजीकरण गोलियाँ

शरीर को बलवान बनाने के लिए निम्नलिखित गोलियाँ अत्यन्त लाभदायक सिद्ध हुई हैं इसके सेवन से चेहरे पर सुर्खी आ जाती है।

योग—सोमल खार १ माशा को खरल में डालकर खूब बारीक पीसें तत्पश्चात् बादाम की छिली हुई गिरी ७ नग एक एक करके डालें और खूब जोरदार हाथों से सम्पूर्ण दिन खरल करते रहें इसी प्रकार एक सप्ताह एक खरल करें और प्रति दिन ७ बादाम की गिरियाँ मिलाते रहें। एक सप्ताह के उपरान्त १-१ रत्ती की गोलियां बना लें।

सेवन विधि—१ गोली प्रातःकाल तथा १ गोली सायंकाल मक्खन या मलाई में लपेट कर प्रति दिन खा लिया करें अत्यन्त बाजी करण हैं।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

बालक अत्यन्त आसानी से पैदा हो

गर्भवती स्त्री को चाहिए कि ६ वें महीना के शुरू से ही प्रतिदिन ६ माशा बादाम का तेल पी लिया करे और प्रसव तक पीती रहे इसके प्रयोग से बालक आसानी से पैदा होगा और कोई विशेष कष्ट नहीं प्रतीत होगा।

स्तनों पर शोथ

स्त्री रोगों में से स्तनों पर शोथ आना बड़ा कठिन रोग है, इसको दूर करने के लिए अनेकों बार का अनुभव किया हुआ योग नीचे लिखा जाता है किन्तु यह उस समय लाभदायक है कि जब शोथ में पीप न पड़ी हो।

योग—बादाम की गिरी छिली हुई १ तोला, किश-मिश १ तोला, मुनक्का १ तोला, इन सब वस्तुओं को पानी की सहायता से खूब बारीक पीसकर थोड़ा गुनगुना कर के दिन में तीन बार लेप करें ईश्वर की कृपा से पूर्ण आराम हो जायगा। यह एक अनुभूत है।

बादाम का जुलाब

बादाम की दो तीन गिरियों को खाने से दस्त आने शुरू हो जाते हैं। यह अनुभूत योग है।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

योग.....में बादाम की छिली हुई गिरी २१ दाने रखें और उन दोनों को तीन चार दिन तक किसी बन्द शीशी में रखें। इन बादामों में दस्त लाने की शक्ति पैदा हो जावेगी आवश्यकता पड़ जायँगे। तथापि कोमल प्रकृति के मनुष्य को तो एक गिरी खा कर ही जुलाब लग जाता है। अब आप ही बताओ कि इस से बढ़कर और कौन सी दस्तावर औषधि हो सकती है।

भूख व प्यास न लगे

छिले हुए बादाम की गिरी, कतीरा, दोनों को बराबर मात्रा में मिलाकर ईसबगोल के द्वारा १ - १ तोला की गोलियाँ बना लें इसके खाने से भूख और प्यास बहुत कम लगती है।

चेहरे की कान्ति को बढ़ाने वाला अद्वितीय उबटन

कदाचित् आपको स्मरण होगा कि हमने इस पुस्तक के अन्दर कहीं बताया था कि बादाम की खली को बेकार न फेंके यह भी बड़े काम की वस्तु है। अतः हम यहाँ पर खली द्वारा लाभ प्राप्त करने की क्रिया लिखते हैं।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

बादाम की खली पाव भर, मजीठ १तोला, छड़ीला एक तोला, बालछड़ १ तोला। इन सब को बारीक पीस कर आपस में भली भाँति मिश्रण कर दें अत्यन्त सुन्दर उबटन तैयार हो गया। इसके शरीर पर मलने से चेहरे तथा शरीर का खुरदरापन, शरीर से बदबूदार पसीना आना, दाग धब्बे पड़ जाना आदि समस्त रोगों को दूर करके शरीर को सुन्दर बनाता है हम जिन वस्तुओं को बेकार समझते हैं उनको फेंक देते हैं परन्तु विलायत के लोग उन्हीं के द्वारा लाखों रुपया कमाते हैं हमको भी उन्हीं से कुछ शिक्षा ग्रहण करना चाहिए।

ज्वर पन्द्रह मिनट में काफ़ूर हो जावे

यह नुस्खा एक हकीम साहब ने रामपुर के नवाब के सामने प्रकट किया था जिससे प्रायः ज्वर १५ मिनट में उतर जाता है।

बादाम का छिलका (ऊपर का छिलका) खूब बारीक पीसकर पानी में मिलाकर बीसों नाखूनों पर लेप कर दें सह क्रिया से ज्वर शीघ्र ही उतर जायगा। परन्तु प्रत्येक ज्वर नहीं, कई खास प्रकार के ज्वर उतर जाते हैं।

—* समाप्त *—

Digitization by American Academy of Indic Studies, AAIS(USA)

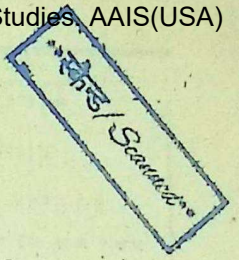

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

सन्यासियों की गुप्त बूटियाँ

भारतीय देहाती जड़ी बूटियां प्रथम भाग

इस पुस्तक में असंख्य ऐसी नई बूटियों के गुप्त भेद अंकित हैं जिनके बल पर सन्यासियों की धाक जमी है। वे बूटियां जो जंगलों सड़कों और गांवों में हर समय मिल सकती हैं, बड़े २ रोगों पर चमत्कारी प्रभाव दिखाती हैं किन्तु आप उनके गुणों से अपरिचित हैं। यह अद्वितीय पुस्तक यदि आपके घर होगी, तो घर की स्त्रियां भी बच्चों व पुरुषों के अनेक रोगों की तत्क्षण चिकित्सा कर सकती हैं। कान में लगा कर सर्प विष दूर करने, मधुमेह को समूल मिटाने, दुबले शरीर को मोटा करने, ७ दिन में नपुन्सकता दूर करने, बांझ को पुत्र देने, और अंगुली लगाते ही ज्वर को उतारने वाली ऐसी बूटियां बताई गई हैं, जिनके चमत्कारी प्रभाव से लोग आपको धनवन्तरी का अवतार समझने लगेंगे। मूल्य केवल ५) रुपए डाक व्यय १) अलग।

भारतीय देहाती जड़ी बूटियाँ द्वितीय भाग

जिन्होंने प्रथम भाग पढ़ा है, वे जानते हैं, कि भारत के विभिन्न प्रान्तों में उगने वाली अपूर्व बूटियों का हमने कितने परिश्रम से ज्ञान संग्रह किया है। किस प्रान्त में कौन २ बूटियां कहाँ २ पाई जाती हैं, उनके प्रान्तीय तथा वैज्ञक नाम क्या हैं। और किन २ रोगों पर वे चमत्कारी लाभ दिखाती हैं, आदि। उदाहरणतया—उन्माद रोगी की नींद जानने वाली बूटी, घाव और कुचले अंग को ठीक करने वाली बूटी हाथ लेकर बिच्छू पकड़ लो और वह डंक न मारे, लड़की के बजाय शक्तियां लड़का पैदा करने वाली बूटी, अन्धों को नेत्र ज्योति देने वाली क्षय व तिल्ली नाशक बूटियाँ, सन्तानदाता बटी, गर्भदाता, प्रदर, स्वप्न-दोष रोकने की बूटी, सूखा रोग की तावीज बूटी, पेट दर्द को ५ मिनट में शांत करने वाली बटी आदि। मूल्य ३॥) रुपए, डाक व्यय ॥≡)

देहाती पुस्तक भण्डार, चावड़ी बाजार, देहली ६।